



# RECALIBRATE

CHRIST SPEAKS TO HIS CHURCH

PART 5

## Thyatira: The Church That Does, But Doesn't

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

### REVELATION 2:18-29

*“To the angel of the church in Thyatira write: These are the words of the Son of God, whose eyes are like blazing fire and whose feet are like burnished bronze. <sup>19</sup> I know your deeds—your love and faith, your service and perseverance—and that you are now doing more than you did at first. <sup>20</sup> Nevertheless, I have this against you: You tolerate that woman Jezebel, who calls herself a prophetess. By her teaching she misleads my servants into sexual immorality and the eating of food sacrificed to idols.*

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

### REVELATION 2:18-29

*<sup>21</sup> I have given her time to repent of her immorality, but she is unwilling. <sup>22</sup> So I will cast her on a bed of suffering, and I will make those who commit adultery with her suffer intensely, unless they repent of her ways. <sup>23</sup> I will strike her followers dead. Then all the churches will know that I am he who searches hearts and minds, and I will repay each of you according to your deeds.*

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

## REVELATION 2:18-29

*<sup>24</sup> I say to the rest of you, who do not hold this teaching, who haven't known the deep things of Satan—as they say—I do not put any other burden on you. :<sup>25</sup> Only hold on to what you have until I come. <sup>26</sup> To him who overcomes and does my will to the end, I will give authority over the nations —<sup>27</sup> 'He will rule them with an iron scepter; he will dash them to pieces like pottery' — just as I have received authority from my Father. <sup>28</sup> I will also give him the morning star. <sup>29</sup> He who has an ear, let him hear what the Spirit says to the churches.*

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

## THYATIRA THE CHURCH

The least known and least influential church of the seven churches in Asia minor.



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

## THYATIRA THE CITY

Militarily expendable,  
politically insignificant,  
culturally irrelevant



---

---

---

---

---

---

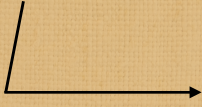
---

---

---

---

# THYATIRA



was known for its **textile** industry—and the industry's mandatory trade guilds.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

# THE *rub*

Christians were under great pressure to compromise their values in order to work in these guilds.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

# THYATIRA WHY A LETTER?

*To encourage both believers and pastors living in small cities, serving insignificant churches*

*To warn churches of the consequence of tolerating moral compromise in its midst.*

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

# THYATIRA THE EXALTED AUTHOR

The Son of God with flaming eyes:  
*penetrating awareness*

The Son of God with polished brass feet:  
*incomparable strength*

*Jesus is unequivocally asserting his **deity**  
and **authority** as Lord over his church*

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

# JESUS THE MODEL LEADER

Jesus is modeling how good leaders lead  
—pastors, parents, bosses, mentors:  
If at all possible, they reassure  
**before** they rebuke.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

*“Encourage one another daily, as long as  
it is called ‘Today,’ so that none of you  
may be hardened by sin’s deceitfulness.”*

HEBREWS 3:13

*“How delightful a timely word.”*

PROVERBS 15:23

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

*“Still, I have this against you: You tolerate that woman Jezebel, who calls herself a prophetess. By her teaching she misleads my servants into sexual immorality and eating food sacrificed to idols. I’ve given her time to repent of her immorality, but she’s unwilling.”*

REVELATION 2:20-21

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

## **WHEN YOU FAIL TO CONFRONT SIN**



**as a leader, spouse,  
parent, boss, mentor or  
friend—you approve of, if  
not partake in, that sin.**

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



**J E Z E B E L**

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

## A JEZEBEL SPIRIT

- 1** It is manipulative and controlling
- 2** It is self-absorbed and mean
- 3** It is intimidating and dominating

---

---

---

---

---

---

---

---

**A church is guilty by association if it does not confront a Jezebel spirit in its midst.**

---

---

---

---

---

---

---

---

## APPLYING **THYATIRA**



**Great charisma in a leader does not equate to godly character.**

*Choose spiritual leaders that you know are morally pure, financially accountable and theologically sound.*

---

---

---

---

---

---

---

---

APPLYING  
**THYATIRA**



**Leaders who compromise the clear values of Christ to appeal to culture are false prophets.**

*Modern false prophets promote:*

- ▶ A sexuality without morality
- ▶ A softer, more marketable salvation
- ▶ A more accepting, less demanding Jesus
- ▶ An all prosperity, no pain gospel

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

APPLYING  
**THYATIRA**



**Sin that is not confronted in a group becomes the sin of the group.**

*We tend to take on the values of those we tolerate.*

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

*“Wounds from a faithful friend are better than kisses from an flattering enemy.”*

PROVERBS 27:6

---

---

---

---

---

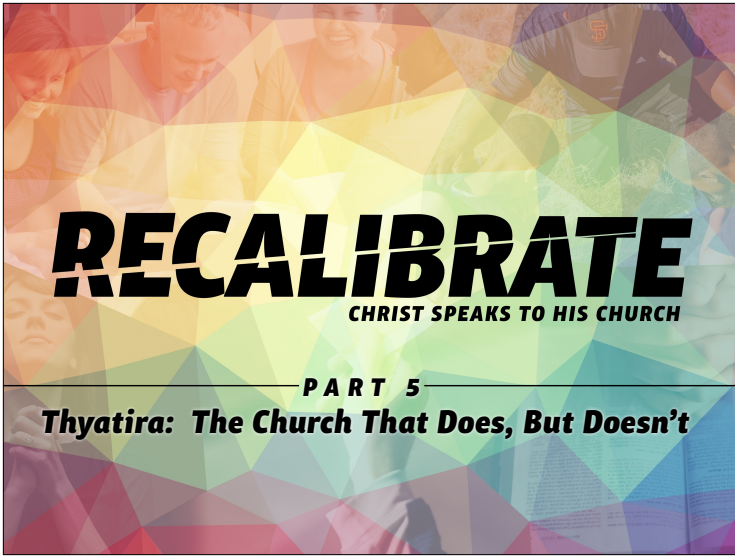
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---